बरेली, रविवार
16 अक्टूबर, 2022
नगर संस्करण
कुल ₹ 7.00
पृष्ठ 24+6=30

दैनिक जागरण

PAGE NO 12 : TOP

विदेश में हर वर्ष संक्रमण से जूझते हैं 50 लाख से अधिक लोग : डा. रुपेन

- जिम कार्बेट में आयोजित दो दिवसीय कंप्रिहेंसिव क्रिटिकल केयर क्रांफ्रेंस में दी जानकारी
- मिशेल ओ लेरी ने मरीज को कब कौन सी एंटीबायोटिक नहीं देने के बारे में बताया

जासं, बरेली : विदेशों में हर साल 50 लाख से अधिक लोग संक्रमण से जूझते हैं जिसमें से करीब 30 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हो जाती है। वहां पर अब इस संक्रमण को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। यह बातें जिम कार्बेट में आयोजित दो दिवसीय कंप्रिहेंसिव क्रिटिकल केयर क्रांफ्रेंस में इंग्लैंड से आए डा. रुपेन आर्य ने बताई। इसी के साथ उन्होंने संक्रमण के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी।

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की ओर से बरेली के बाद शनिवार से उत्तराखंड के रामनगर स्थित जिम कार्बेट में दो दिवसीय कंप्रिहेंसिव क्रिटिकल केयर पर क्रांफ्रेंस आयोजित हुई। इसमें दिल्ली से आए पद्म विभूषण डा. बीके राव ने भारत में होने वाले संक्रमण के बारे में विस्तारित जानकारी दी।

इसके बाद पद्मश्री एवं एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने इंफेक्शन से संबंधित टेस्ट के बारे में बताया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि किस संक्रमण में डाक्टरों को कौन सा टेस्ट करना चाहिए। इसके बाद आस्ट्रेलिया से आए मिशेल ओ लेरी संक्रमण में दवा के उपयोगों को बताया। साथ ही यह भी कहा कि मरीज को कब कौन से एंटीबायोटिक नहीं देनी है। कांफ्रेंस में इस मौके पर एसआरएमएस की ओर से कार्यक्रम आयोजन कमेटी के सचिव डा. ललित सिंह एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

संबंधित पेज के समाचार : https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_bareilly news-hindi.html पर भी देख सकते है।